Folders

वायरस की उपस्थिति को जाना जाता है। कई परिस्थितियों में एच.आई.वी. वायरस के विरूद्ध प्रतिरोधी तत्व बनने में 6 से 12 सप्ताह का समय लग सकता है। इस अवस्था को (विन्डो पीरियड) कहते हैं। उच्च जोखिम व्यवहार के बावजूद भी यदि कोई व्यक्ति जाँच में एच.आई.वी. मुक्त पाया जाता है तो उसे तीन माह के पश्चात् पुनः एच.आई.वी. संक्रमण की जाँच करवानी चाहिए। सुरक्षित व्यवहार को अपनाना चाहिए ताकि वह संक्रमण मुक्त रह सके।

पॉजिटिव रिपोर्ट क्या है ?

- यदि व्यक्ति के रक्त नमूने की पहली जाँच में एच.आई.वी. के शरीर में होने का संकेत मिलता है तो परिणाम (रिजल्ट) देने से पहले उसी रक्त नमूने से दो अन्य जांच किट्स से भी जाँचें की जाती हैं। पॉजिटिव रिपोर्ट का अर्थ होता है कि व्यक्ति के रक्त में एच.आई.वी. वायरस के विरुद्ध प्रतिरोधी तत्व (एंटीबॉडी) पाये गये हैं
- एच.आई.वी. पॉजिटिव या एच.आई.वी. संक्रमित होने का अर्थ यह नहीं होता कि उसे एड्स है। एच.आई.वी. संक्रमित व्यक्ति भी वर्षों तक बिना किसी रोग या बीमारी के लक्षण के स्वस्थ जीवन जीता है। यह जान लेने के बाद कि एच.आई.वी. वायरस व्यक्ति के शरीर में प्रवेश कर चुका है, वह अपने स्वास्थ्य की रक्षा हेतु आवश्यक कदम उठा सकता है। वह उचित देखभाल, खानपान, व्यायाम, चिकित्सीय परामर्श एवं मित्रों के सहयोग से लम्बे समय तक स्वस्थ जीवन जी सकता है । इसलिए एच.आई.वी. की स्थिति को जानने के लिए शीघ्र जाँच करवाना व्यक्ति के हित में है। व्यक्ति ए.आर.टी. के साथ स्वस्थ जीवन जी सकता है।

यदि रिर्पोट पॉजिटिव आए तो क्या करें ?

- निराश न हों : एच.आई.वी. के साथ भी लंबे समय तक स्वस्थ जीवन जिया जा सकता है ।
- अपने परामर्शदाता से नजदीक के ए.आर.टी. केन्द्र व कम्युनिटी केयर सेन्टर का पता पूछें व शीघ्र वहां अपना पंजीयन कराएं।
- अपने जीवन साथी/ यौन साथी की भी एच.आई.वी. जाँच कराएं।
- गर्भवती माता की भी एच.आई.वी. जाँच एवं उनका पी.पी.टी.सी.टी. केन्द्र में पंजीयन अवश्य कराएं।
- डाक्टर की सलाह अनुसार अपने स्वास्थ्य का ध्यान रखें ।
- सबसे महत्वपूर्ण - बिना कंडोम के यौन संबंध हरगिज स्थापित न करें।

दूसरों की रक्षा करें .....

- कंडोम का प्रयोग कर सुरक्षित यौन संबंधों के आधार पर ही स्वयं की व दूसरों की रक्षा कीजिए।
- एक दूसरे के साथ मिलकर सुई और सिरिंज के माध्यम से नशीली दवाओं का सेवन न करें ।
- रक्त दान, वीर्य दान तथा अन्य शारीरिक अंगों का दान तब तक न करें जब तक एच.आई.वी. से संक्रमित न होने के प्रमाण मिल जायें । यदि एच.आई.वी. रहित हों, तो यह सारे दान बिना किसी संकोच के कीजिए।

अधिक जानकारी के लिए अपने जिले में स्थित एकीकृत परामर्श एवं जाँच केन्द्रों पर संपर्क करें।

मध्यप्रदेश राज्य एड्स नियंत्रण समिति

द्वितीय तल, तिलहन संघ भवन, 1 अरेरा हिल्स, भोपाल म.प्र.

दूरभाष : 0755-2559629, 2577629

फैक्स : 0755-2556619

E-mail : mpsacs@gmail.com, Web : mpsacsb.org

Design: www.dreamdesigners.in

MPSACS

ज़िंदगी की ओर कदम बढ़ाएं

आई.सी.टी.सी.

याद रखें...

स्वयं की सुरक्षा में ही परिवार एवं समाज की सुरक्षा है।